सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर दौड़े भाजपाई

अशोका एक्सप्रेस

ASHOKA
SMA - Ashoka Express Publication

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती
प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्ष: 28 ● अंक : 40 ● नई दिल्ली ● 01 से 08 नवम्बर 2025 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

तेजस्वी का एनडीए पर डबल अटैक : घोषणापत्र को माफ़ी पत्र बताया, नीतीश की सेहत पर भी सवाल

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घोषणापत्र पर निशाना साधते हुए मांग की कि गठबंधन को जनता से माफी मांगनी चाहिए और अपने संकल्प पत्र की जगह माफी पत्र जारी करना चाहिए, क्योंकि पिछले चुनावी वादे पूरे नहीं हुए हैं और नए वादे किए गए हैं। राजद नेता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव शुरू होने से छह दिन पहले जारी किए गए एनडीए के संकल्प पत्र में क्या लिखा है, इस बारे में शायद सीएम को भी जानकारी नहीं है। तेजस्वी यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि हम कहना चाहते हैं कि हमने जो देखा है, उसके आधार पर एनडीए को एक माफी पत्र लाना चाहिए और बिहार के चौदह करोड़ लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए कि बीस साल शासन करने के बाद भी बिहार सबसे गरीब रायों में से एक है। राज्य में कारखानों और निवेश की कमी की निंदा करते हुए, राजद नेता ने कहा, न कोई कारखाना है, न कोई निवेश। सरकार सभी क्षेत्रों में विफल रही है, इसलिए उन्हें माफ़ी पत्र लाना चाहिए था।

अगर आप उनके बीस साल के झूठे मज़ाक को देखें, तो बीस साल तक उनके द्वारा किए गए वादे। बीस साल से वे जो भी घोषणापत्र लेकर आए हैं, उस घोषणापत्र में यह भी बताना चाहिए कि हमारे साथ क्या हुआ राज्य में और अस्पताल बनाने के वादे की आलोचना करते हुए, यादव ने आरोप लगाया कि बुनियादी ढांचा तो बन सकता है.

संजय राउत की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत के स्वास्थ्य को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। तबियत बिगड़ने के बाद उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इतना ही नहीं वह दो महीने तक सार्वजनिक जीवन से भी दूर रहेंगे। संजय राउत ने अपने कार्यकर्ताओं को एक भावुक पत्र लिखकर इस बात की जानकारी दी है। संजय राउत ने कहा, जय महाराष्ट्र! सभी मित्रों, परिवार और कार्यकर्ताओं से विनम्र निवेदन है, आप सभी ने हमेशा मुझ पर विश्वास किया है और मुझे प्यार दिया है, लेकिन अब अचानक पता चला है कि मेरे स्वास्थ्य में कुछ गंभीर गिरावट आई है।

राज्य का दर्जा न होना केंद्रशासित प्रदेश सरकार के खराब प्रदर्शन का बहाना नहीं : उपराज्यपाल सिन्हा

जम्मू । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा नहीं होने को खराब प्रदर्शन का बहाना नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि निर्वाचित सरकार के पास सभी शक्तियां हैं। सिन्हा ने यहां एसकेआईसीसी में जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा है कि पहले परिसीमन, उसके बाद विधानसभा चुनाव और फिर उचित समय पर राय का दर्जा बहाल किया जाएगा उपरायपाल ने कहा, ''लेकिन कुछ लोगों को कुछ समस्याएं हैं। जब विधानसभा चुनाव हुआ था, तो यह स्पष्ट था कि चुनाव केंद्र शासित प्रदेश विधानसभा के लिए हो रहा है। वे (निर्वाचित सरकार) यह बहाना नहीं बना सकते कि पूर्ण राय का दर्जा बहाल होने तक काम नहीं किया जा सकता।'' सिन्हा ने कहा कि निर्वाचित सरकार के पास सभी शक्तियां हैं और राय का दर्जा न होने के बहाने लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी शक्तियों का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर के लोगों की बेहतरी के लिए करना चाहिए।

सम्पादकीय

वैज्ञानिक पुनर्जागरण के द्वार पर भारत

भारत आज वैश्विक वैज्ञानिक पुनर्जागरण के द्वार पर खड़ा है। तकनीक से समृद्ध भारत आज केवल अनुयायी नहीं है, बल्कि दूसरों को भी उसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित कर रहा है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति देखी है। डिजिटल सशक्तिकरण से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक, आत्मनिर्भर और तकनीक-प्रधान भारत की रूपरेखा अब स्पष्ट दिख रही है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया की सफलताओं से लेकर स्वच्छ भारत और वन हेल्थ जैसे अभियानों तक देश ने यह साबित किया है कि विज्ञान, तकनीक और नवाचार के माध्यम से बड़े पैमाने पर परिवर्तन लाया जा सकता है। यूपीआई क्रांति ने डिजिटल भुगतान की परिभाषा ही बदल दी है और भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बना दिया है। भारत की जैव-अर्थव्यवस्था ने पिछले दस वर्षों में जबरदस्त प्रगति की है। 2014 में जहां इसका मूल्य 10 अरब डॉलर था, वहीं 2024 में यह बढ़कर लगभग 165.7 अरब डॉलर हो गया है। भारत अब बायोफ्यूल, बायोप्लास्टिक और ग्रीन केमिकल्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। चंद्रयान और गगनयान मिशनों ने भारत की पहचान अंतरिक्ष शक्ति संपन्न देशों में मजबूत की है, जबकि 5जी नेटवर्क की शुरुआत और डिजिटल कूटनीति ने देश के दूर-दराज़ इलाकों तक कनेक्टिविटी और सशक्तिकरण पहुंचाया है। भारत अब सबके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बुद्धिमत्ता और नवाचार का लाभ हर क्षेत्र तक पहुंचे। चाहे वह कृषि हो, स्वास्थ्य सेवा हो या शासन व्यवस्था। देश में 100 से अधिक यूनिकॉर्न कंपनियां और युवाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप्स का मजबूत नेटवर्क भारत की वैज्ञानिक और उद्यमशीलता की भावना को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन, क्वांटम विज्ञान और तकनीक, सेमीकंडक्टर निर्माण और सटीक कृषि जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति यह दिखाती है कि भारत अब केवल दुनिया के साथ कदम नहीं मिला रहा, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने में मदद कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की कहानी है। एक ऐसा आत्मविश्वासी और दूरदर्शी भारत जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर, अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक, दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। ईएसटीआईसी - उपलब्धि से आकांक्षा तक इस प्रगति की पृष्ठभूमि में 3 से 5 नवंबर 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में होने वाला इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव एक साहसिक नया कदम है। भारत सरकार के 13 मंत्रालयों की ओर से आयोजित यह सम्मेलन सिर्फ उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह सहयोग, दूरदृष्टि और राष्ट्रीय रणनीति का मंच है। माननीय प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन किए जाने वाला ईएसटीआईसी 2025 देश-विदेश के प्रमुख वैज्ञानिकों, नवाचारकर्ताओं, नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा ताकि वे नई उभरती तकनीकों के भविष्य पर विचार-विमर्श कर सकें। यह सम्मेलन एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करेगा जहां कमियों की पहचान, साझेदारियां स्थापित करना और विज्ञान व प्रौद्योगिकी को भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप दिशा देना- इन सभी पर संयुक्त रूप से काम किया जाएगा। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय एकजुटता मंच है जो शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत और सरकार को एक साझा उद्देश्य से जोड़ता है भारत को विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ाना। यानी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक एक पूर्ण विकसित और नवाचार-प्रधान राष्ट्र बनाना। ईएसटीआईसी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण 11 विषयों पर केंद्रित किया गया है। यह सम्मेलन एक ऐसा केंद्रीय मंच बनेगा जहां रणनीतिक संवाद, सहयोग और भारत की श्रेष्ठ उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जाएगा। वर्तमान उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ-साथ, यह सम्मेलन नए विचारों पर मंथन, कमियों की पहचान और नीति-निर्माण में सुधार का अवसर भी प्रदान करेगा ताकि भारत की वैज्ञानिक प्रगति समाज की जरूरतों और वैश्विक अवसरों के साथ तालमेल में बनी रहे। ईएसटीआईसी 2025 को ग्यारह प्रमुख विषयों के इर्द-गिर्द तैयार किया गया है जो मिलकर भारत की तकनीकी आकांक्षाओं और लक्ष्यों को दर्शाते हैं। इन विषयों में शामिल हैं- एडवांस्ड मटेरियल्स और मैन्युफैक्चरिंग- ऐसे मजबूत, हल्के और स्मार्ट पदार्थों का निर्माण जो रक्षा, अंतरिक्ष और उद्योग के क्षेत्र को नई शक्ति दें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता- जो जीवन को आसान बना रही है और शासन प्रणाली को अधिक स्मार्ट और समावेशी बना रही है। बायो-मैन्युफैक्चरिंग, जो टिकाऊ जैव-उत्पादों और सर्कुलर समाधानों के माध्यम से हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही है। ब्लू इकॉनमी- जो समुद्री संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग कर समृद्धि और लचीलापन बढ़ाने पर केंद्रित है। डिजिटल कम्युनिकेशन- 4जी से 5जी और अब 6जी की ओर बढ़ते हुए ग्रामीण भारत को सशक्त बना रहा है और वैश्विक डिजिटल कूटनीति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण- जो 'मेक इन इंडिया' के विज़न को सिलिकॉन-आधारित वास्तविकता में बदल रहा है। उभरती कृषि तकनीकें- जो नवाचार, सटीकता और स्थिरता के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती हैं। ऊर्जा, पर्यावरण और जलवायु- जो नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन को दुनिया के लिए उदाहरण बना रहे हैं। स्वास्थ्य और चिकित्सा तकनीकें- जो सस्ती और सुलभ नवाचारों के माध्यम से स्वास्थ्य समानता सुनिश्चित कर रही हैं। क्वांटम विज्ञान और तकनीक- जो सुरक्षित संचार, सेंसरिंग, कंप्यूटिंग और नए पदार्थों के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। अंतरिक्ष तकनीक- जो नई पीढ़ियों को प्रेरित कर रही है और भारत के वैज्ञानिक क्षितिज को और विस्तृत बना रही है। ये सभी विषय मिलकर भारत के समग्र नवाचार मानचित्र को दर्शाते हैं- एक ऐसा ढांचा जहां गहन विज्ञान, उद्यमिता और नीति निर्माण एक साथ मिलकर देश के विकास को नई दिशा देते हैं। विकसित भारत 2047 की ओर =कई मायनों में ईएसटीआईसी भारत के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है। एक ऐसा आत्मविश्वास जो ज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जा रहा है। यह एक राष्ट्रीय मिशन है जिसका उद्देश्य है-कल्पनाशक्ति को जगाना, युवाओं को प्रेरित करना और भविष्य के लिए नवाचार को बढ़ावा देना। ईएसटीआईसी 2025 में विचारशील नेताओं, नोबेल पुरस्कार विजेताओं, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के अग्रदूतों को एक साथ लाया जाएगा ताकि भारत को एक वैज्ञानिक महाशक्ति और नवाचार-आधारित विकास के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। जैसे-जैसे भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, ईएसटीआईसी एक प्रेरक शक्ति और प्रतीक दोनों के रूप में खड़ा है। एक ऐसा मंच जहां भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियां उसकी विकास आकांक्षाओं से मिलती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर नवाचार मजबूत, टिकाऊ और समावेशी विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे।

एनडीए के घोषणापत्र में ज्यादा दम है महागठबंधन के? वादों की बारिश के बीच मतदाता को क्या भायेगा?

नीरज कुमार दुबे

बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और महागठबंधन दोनों ने अपने-अपने घोषणापत्र जारी कर दिए हैं। पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्रियों जीतन राम मांझी, चिराग पासवान तथा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की मौजूदगी में एनडीए ने अपना विस्तृत घोषणापत्र प्रस्तुत किया। एनडीए के घोषणापत्र में एक करोड़ रोजगार, महिलाओं के सशक्तिकरण, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे में निवेश पर ज़ोर दिया गया है। घोषणापत्र में हर जिले में मेगा स्किल सेंटर, औद्योगिक पार्क, महिला उद्यमिता मिशन, खेती के लिए एमएसपी की गारंटी, और सात नए एक्सप्रेसवे जैसी योजनाओं की घोषणा की गई है। इसके साथ ही गरीबों के लिए 50 लाख नए घर, 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली, मुफ्त राशन और बेहतर शिक्षा-स्वास्थ्य ढांचा का वादा किया गया है।

राजग के घोषणा पत्र के प्रमुख प्रावधानों में पिछड़े वर्गों के लिए विशेष आर्थिक सहायता का भी उल्लेख है। आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) को सरकार 10 लाख रुपये की सहायता देगी और उनके हितों के लिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग गठित किया जाएगा। इसके अलावा, कृषि क्षेत्र के लिए राजग ने 'कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि' शुरू करने की घोषणा की है, जिसे केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से लागू किया जाएगा। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दी जाएगी और कृषि अवसंरचना में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। घोषणापत्र में कहा गया है कि बाढ़ प्रभावित उत्तर बिहार को अगले पांच वर्षों में पूरी तरह इस समस्या से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। शहरी विकास के तहत चार और शहरों में मेट्रो रेल सेवा शुरू करने की घोषणा भी की गई है। राजधानी क्षेत्र में न्यू पटना नामक एक हरित (ग्रीनफील्ड) परियोजना विकसित की जाएगी। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सीतामढ़ी के पुनौरा धाम जानकी मंदिर को सीतापुरम के रूप में विकसित किया जाएगा। घोषणा पत्र में यह भी कहा गया है कि बिहार से विदेशी उड़ानें शुरू की जाएंगी और कई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे बनाए जाएंगे। साथ ही, राज्य में 10 नए औद्योगिक पार्क स्थापित किए जाएंगे और प्रत्येक जिले में फैक्टरी एवं विनिर्माण इकाइयां शुरू की जाएंगी। राजग ने वादा किया है कि अगले पांच वर्षों में राज्य में 50 लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया जाएगा, जिससे औद्योगिक क्रांति की गारंटी सुनिश्चित होगी। शिक्षा के क्षेत्र में राजग ने केजी से पीजी तक निशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वादा किया है। अनुसूचित जाति के उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 2,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। राजग ने गरीब और वंचित वर्गों के लिए 'पंचामृत गारंटी' की घोषणा की है, जिसके तहत मुफ्त राशन, पांच लाख रुपए तक का मुफ्त उपचार, 50 लाख पक्के मकान और सामाजिक सुरक्षा पेंशन सुनिश्चित की जाएगी राजग ने घोषणापत्र में कहा कि खेल के क्षेत्र में राज्य में 'बिहार स्पोर्ट्स सिटी' का निर्माण किया जाएगा ताकि युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं मिल सकें। संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। घोषणा पत्र के अनुसार, गिग वर्कर्स और ऑटो चालकों को वित्तीय सहायता और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। भाजपा ने कहा, यह घोषणापत्र प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और नीतीश कुमार के भरोसे का प्रतीक है। दूसरी ओर, महागठबंधन ने अपने घोषणापत्र जिसे 'तेजस्वी प्रण नाम दिया गया है, में हर परिवार को एक सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हम सत्ता में आए तो 20 दिन में हर परिवार को एक नौकरी दी जाएगी। घोषणापत्र में 'जीविका दीदी' को स्थायी सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, आउटसोर्स और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को नियमित करने और युवा, किसान व महिला सशक्तिकरण से जुड़ी 25 प्रमुख घोषणाएँ शामिल हैं। देखा जाये तो बिहार की राजनीति में घोषणापत्र अब केवल नीतिगत दस्तावेज़ नहीं रहे, बल्कि भावनात्मक प्रोपेगेंडा बन चुके हैं। इस बार दोनों खेमों ने वादों की ऐसी बारिश की है कि आम मतदाता के लिए असली और नकली बादल में फर्क करना मुश्किल हो गया है। एनडीए का घोषणापत्र दिखने में व्यावहारिक और संरचनात्मक है– यह विकास, उद्योग और स्थिरता की बात करता है। वहीं महागठबंधन का घोषणापत्र भावनात्मक है– यह नौकरी, वेतन और सरकारी स्थायित्व जैसे सीधे वादे करके युवाओं के दिलों को छूने की कोशिश करता है। एनडीए ने इस बार 'गारंटी' को मुख्य शब्द बनाया है। मोदी की गारंटी और नीतीश का भरोसा, यह नारा सीधे जनता की याद्दाश्त में बैठाने की रणनीति है। घोषणापत्र का फोकस बुनियादी ढांचे पर है। जैसे- 7 एक्सप्रेसवे, 3,600 किमी नई रेल लाइनें, हर जिले में मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक पार्क का वादा किया गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या बिहार में उद्योग लगाने का माहौल तैयार है? बिजली, भूमि, कानून व्यवस्था और मानव संसाधन, ये चारों चुनौतियाँ अभी भी गंभीर हैं। देखा जाये तो एक करोड़ रोजगार का वादा तब तक महज़ नारा रहेगा जब तक बिहार में पूंजी निवेश आकर्षक नहीं बनता। हालाँकि, एनडीए ने महिलाओं पर केंद्रित योजनाओं– लखपति दीदी मिशन और महिला उद्यमिता योजना के ज़रिए ग्रामीण महिला वोट बैंक को साधने की कोशिश की है। नीतीश कुमार का पिछला रिकॉर्ड इस दिशा में अपेक्षाकृत मज़बूत रहा है, इसलिए इस वर्ग में एनडीए का वादा विश्वसनीय दिखता है। वहीं तेजस्वी यादव ने घोषणापत्र को पूरी तरह युवाओं के लिए डिज़ाइन किया है। 20 दिन में नौकरी जैसा वादा तात्कालिक रूप से आकर्षक ज़रूर लगता है, लेकिन वित्तीय दृष्टि से यह असंभव है। बिहार के राजस्व संसाधन सीमित हैं; अगर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, तो यह न केवल आर्थिक रूप से अव्यावहारिक होगा बल्कि शासन व्यवस्था भी चरमरा जाएगी। पुरानी पेंशन योजना, ठेका कर्मियों का स्थायीकरण और 'जीविका दीदी' को सरकारी दर्जा देने जैसी घोषणाएँ वित्तीय बोझ को कई गुना बढ़ा सकती हैं। महागठबंधन ने भावनात्मक राजनीति का सहारा लिया है, पर शासन के व्यावहारिक समीकरणों को नज़रअंदाज़ किया है। अब सवाल उठता है कि जनता किसके घोषणापत्र से प्रभावित होगी? देखा जाये तो बिहार की जनता अब केवल वादों से नहीं, विश्वसनीयता से प्रभावित होती है। नीतीश कुमार की छवि एक अनुभवी प्रशासक की है, भले ही अब उनकी लोकप्रियता घट रही हो। मगर मोदी फैक्टर आज भी ग्रामीण और मध्यम वर्ग में भरोसे का प्रतीक है। दूसरी ओर तेजस्वी यादव युवाओं में उम्मीद जगाते हैं, लेकिन जंगलराज की पुरानी यादें अभी भी वोटरों के दिमाग़ में ताज़ा हैं।

इसलिए, शहरी और मध्यम वर्ग के मतदाता संभवतः एनडीए के विकास और स्थिरता के वादे से आकर्षित होंगे, जबकि बेरोज़गार युवा और निम्न वर्ग महागठबंधन की नौकरी और पेंशन की घोषणाओं की ओर झुक सकते हैं। बहरहाल, एनडीए का घोषणापत्र एक दीर्घकालिक दृष्टि प्रस्तुत करता है लेकिन उसकी सफलता क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। वहीं महागठबंधन का घोषणापत्र तत्काल राहत का सपना दिखाता है लेकिन उसकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। बिहार के मतदाता अब भावनाओं से अधिक परिणाम चाहते हैं। वह जान चुके हैं कि रोज़गार की राजनीति और विकास की राजनीति के बीच एक बहुत गहरा अंतर है। बिहार के लिए असली सवाल यह नहीं है कि कौन ज्यादा वादे करता है, बल्कि यह है कि कौन अपने वादों को निभा सकता है। और इस बार, जनता घोषणापत्र नहीं, विश्वसनीयता को वोट देगी।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

सरदार पटेल भी हैरान हो जाते..., लौह पुरुष की जयंती पर कांग्रेस ने बीजेपी-आरएसएस पर साधा निशाना

नई दिल्ली।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर कांग्रेस ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा। कांग्रेस ने कहा कि उनके निस्वार्थ नेता भी हैरान हो जाते, अगर उन्हें पता चलता कि उनका गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। खुद पटेल के शब्दों में, इस विचारधारा ने ऐसा माहौल बनाया, जिससे महात्मा गांधी की हत्या जैसी खौफनाक घटना संभव हो सकी। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश कहा, खासकर 2014 से दो लोगों का समूह (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह) और उनका तंत्र 2014 से इतिहास को बेधड़क तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है। र

मेश ने एक्स पर लिखा, आज जब कृतज्ञ राष्ट्र सरदार पटेल की 150वीं जयंती मना रहा है, हमें याद रखना चाहिए कि 13 फरवरी 1949 को जवाहर लाल नेहरू ने गोधरा में सरदार पटेल की मूर्ति का अनावरण किया था, जहां उन्होंने अपना वकालत का करियर शुरू किया था। इस अवर नेहरू का भाषण दोबारा पढ़ना चाहिए, ताकि उनकी तीन दशकों से अधिक की मजबूत और गहरी साझेदारी को समझा जा सके। रमेश ने कहा, सरदार पटेल की 75वीं जयंती के मौके पर नेहरू ने कहा था कि पटेल ने अपने लंबे और

उल्लेखनीय सेवा रिकॉर्ड के बावजूद देश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को संभाला और उन्होंने राष्ट्रीय गतिविधियों में उनके साथ तीस वर्षों का साथ साझा किया। इन वर्षों में उठापटक और बड़ी घटनाओं के बीच पटेल एक प्रभावशाली नेता के रूप में उभरे, जिनसे बड़ी संख्या में लोग मार्गदर्शन की उम्मीद रखते थे। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि 19 सितंबर 1963 को तत्कालीन राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन ने संसद भवन और चुनाव आयोग कार्यालय के पास नई दिल्ली के प्रमुख गोल चौराहे पर सरदार पटेल की मूर्ति का अनावरण किया था। नेहरू भी उस समय मौजूद थे और उन्होंने मूर्ति पर भारत की एकता के शिल्पकार का सरल लेकिन शक्तिशाली शब्द चुना। उन्होंने याद दिलाया कि 31 अक्तूबर 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की शताब्दी वर्ष समापन समारोह की अध्यक्षता की और उनकी अनेक उपलब्धियों और योगदानों को व्यापक रूप से याद किया। रमेश ने कहा, 2014 से खासकर, इतिहास दो लोगों के समूह (जी2) और उनके तंत्र द्वारा बेधड़क विकृत और गलत पेश किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, निस्वार्थ नेता उनके गलत इस्तेमाल से हैरान हो जाते, क्योंकि इस विचारधारा स्वतंत्रता संग्राम या संविधान निर्माण में कोई भूमिका नहीं निभाई और पटेल के शब्दों में, इसने ऐसा माहौल बनाया जो 30 जनवरी 1948 की खौफनाक त्रासदी को संभव बना सका। 1875 में गुजरात के नाडियाड में जन्मे पटेल स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता थे। अपनी असाधारण नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के एकीकरण के प्रति अडिग प्रतिबद्धता के लिए उन्हें भारत का लौहपुरुष के रूप में याद किया जाता है। उनका निधन 1950 में हुआ।

दिल्ली दंगा केसः राजधानी में था ही नहीं, कोई कॉल नहीं किया.. सुप्रीम कोर्ट में उमर, शरजील की क्या दलीलें

नई दिल्ली।

2020 दिल्ली दंगा मामले में आरोपी शरजील ईमाम, उमर खालिद, मीरान हैदर, गुल्फिशा फातिमा, शिफा उर रहमान और मुहम्मद सलीम खान की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है. आरोपियों की ओर से पेश हुए वकील अपनी-अपनी दलील रख रहे हैं सुनवाई के दौरान आरोपियों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हम 11 अप्रैल 2020 से यानी पांच साल पांच महीने से जेल में बंद हैं.

चार्जशीट बहुत पुरानी हो गई हैं. कई पूरक चार्जशीट दाखिल की गई हैं. पहली चार्जशीट 2020 में और आखिरी पूरक चार्जशीट जून 2023 में दाखिल की गई. जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजिरिया की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है. सीनियर वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक एम. सिंघवी याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए हैं. उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस द्वारा गुरुवार देर शाम जवाब दाखिल किया गया था. इसलिए अदालत ने

याचिकाकर्ता वकीलों को जवाब पढ़ने का समय दिया. मामले में अगली सुनवाई सोमवार को होगी. सिब्बल ने दलील दी कि खालिद ने 17 फरवरी को अमरावती में भाषण दिया था और इसी आधार पर पुलिस ने आरोप लगाया कि उमर खालिद इस सब के लिए ज़िम्मेदार है! उसने हिंसा के बारे में कुछ नहीं कहा और यह एक सार्वजनिक भाषण है, जिसमें गांधीवादी सिद्धांतों की बात की गई है. तीन आरोपियों, जिनमें 2 महिलाएं और एक आसिफ इकबाल तन्हा, को हाई कोर्ट ने नियमित जमानत दी और सुप्रीम कोर्ट ने इसे बरकरार रखा. समानता के आधार पर इस पर भी फैसला किया जा सकता है. उमर खालिद के लिए सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए सिब्बल ने सुनवाई के दौरान कहा कि जब दिल्ली मे दंगे हुए उस समय उमर खालिद दिल्ली में नहीं था. उमर खालिद के खिलाफ़ आरोप साज़िश का है. 751 एफ़आईआर हैं, उमर खालिद पर एक में आरोप है कि उसने दंगों की साज़िश रची थी. लेकिन जिन तारीखों को दंगे हुए, उन तारीखों को उमर खालिद दिल्ली में नहीं था और न ही कोई पैसा, कोई हथियार बरामद हुए और न ही हिंसा से जुड़े कोई साक्ष्य मिले. किसी गवाह का बयान भी नहीं मिला, जो उमर खालिद को वास्तव में किसी हिंसा से जोड़ता हो. वे कहते हैं कि मैं ही समय ले रहा हूं और मामले में देरी कर रहा हूं, जबकि तथ्य कुछ और ही कहते हैं. मेरे खिलाफ साजिश का आरोप है. 751 एफआईआर दर्ज हैं. याचिकाकर्ता दंगों के समय दिल्ली में था ही नहीं. अगर मैं वहां नहीं हूं, तो दंगों को इससे कैसे जोड़ा जा सकता है 751 में से मुझे केवल एक में पक्ष बनाया गया. बेल नियम है, जेल अपवाद.. सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत में ये दलील दी. उन्होंने कहा, ताहिर हुसैन से मिले पैसे से आतंकी गतिविधि होने का आरोप लगा. पैसा कितना था, कहां से आया... इसका कोई सबूत नहीं है. मुझे ताहिर हुसैन से जोड़ने के लिए कोई कड़ी, तो पुलिस को दिखानी होगी. गुलफिशा पिंजरा तोड़ की सदस्य नहीं है. लेकिन इसमें शामिल दो अन्य लोगों को ज़मानत मिल गई है. पुलिस को यह बताने में एक साल लग गया कि चार्जशीट की जांच पूरी हुई है या नहीं.

वो सो रहे हैं, आने दीजिये हम निपट लेंगे, आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों से फिर मांगा जवाब

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के इस अनुरोध को खारिज कर दिया कि आवारा कुत्तों के मामले में पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी रायों के मुख्य सचिवों को 3 नवंबर को अदालत में वर्चुअल रूप से पेश होने की अनुमति दी जाए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य सचिवों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। न्यायमूर्ति नाथ ने टिप्पणी की कि जब अदालत अनुपालन हलफनामे मांगती है, तो आदेशों की अनदेखी की जाती है, इसलिए अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। मेहता ने पीठ से आभासी उपस्थिति की अनुमति देने का आग्रह किया, लेकिन अदालत ने इस अनुरोध पर विचार करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिवों को पेश होने का आदेश दिया 27 अक्टूबर को मामले की सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी रायों के मुख्य सचिवों को 3 नवंबर को उसके समक्ष उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि 22 अगस्त को अदालत के निर्देशों के बावजूद अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया। अपने 22 अगस्त के आदेश में न्यायालय ने आवारा कुत्तों के मामले का दायरा दिल्ली-एनसीआर से आगे बढ़ाते हुए सभी रायों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने नगर निकायों को भी अनुपालन हलफनामे प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था जिसमें पशु जन्म नियंत्रण नियमों के कार्यान्वयन के लिए उपलब्ध डॉग पाउण्ड, पशु चिकित्सकों, डॉग कैचर, और विशेष रूप से सुसज्जित वाहनों और पिंजरों का पूरा विवरण दिया गया हो। राष्ट्रीय राजधानी में विशेष रूप से बच्चों में आवारा कुत्तों के हमलों के कारण रेबीज फैलने की बढ़ती घटनाओं के बारे में मीडिया रिपोर्टों पर संज्ञान लेने के बाद, सर्वोच न्यायालय द्वारा इस मामले की स्वतः सुनवाई की जा रही है।

सांसों में जहर : बच्चों के फेफड़ों में मिली प्रदूषण की काली परत, सीएसई की रिपोर्ट में कई अन्य खतरे भी उजागर

नई दिल्ली।

सुबह खेलते बचों की जगह मास्क पहने, खांसते, हांफते छोटे चेहरे दिखाई दें तो यह केवल मौसम का बदलना नहीं, बल्कि भविष्य का डर है। भारत में वायु प्रदूषण अब अदृश्य खतरा नहीं रहा। यह बचों के फेफड़ों में काले धब्बों के रूप में दिखाई दे रहा है। वैज्ञानिक और डॉक्टर स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि धूम्रपान न करने वाले बचों के फेफड़ों तक में काला जमाव पाया जा रहा है, जो धीरे-धीरे सांसों को खत्म कर सकता है। देश की पूरी 1.4 अरब आबादी ऐसी हवा में सांस ले रही है, जिसमें पीएम 2.5 स्तर डब्ल्यूएचओ के मानकों से अधिक है। उत्तर भारत में रहने वाले लोगों की औसत जीवन प्रत्याशा में 7.6 वर्ष तक की कमी का अनुमान है। लखनऊ जैसे शहरों में यह नुकसान 9.5 वर्ष तक पहुंच सकता है और यह भार सबसे यादा बचों पर पड़ रहा है। सीएसई की रिपोर्ट सांसों का आपातकाल बताती है कि देश की 63त्न आबादी राष्ट्रीय मानक 40 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक प्रदूषण झेल रही है। इंडो-गैंगेटिक क्षेत्र बिहार, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की करीब 40त्न आबादी औसतन 7.6 वर्ष की जीवन अवधि खो रही है।

1998 से 2023 के बीच भारत में पीएम 2.5 स्तर में 61.4त्न की वृद्धि हुई है। वैश्विक प्रदूषण वृद्धि में 44त्न योगदान अकेले भारत का है। लंदन की 9 वर्ष की बची एला किस्सी डेब्राह की 2013 में अस्थमा से मौत हुई थी। 2020 में अदालत ने पहली बार आधिकारिक रूप से कहा कि उसकी मौत का कारण वायु प्रदूषण था। यह दुनिया का पहला मामला है जिसने प्रदूषण को मृत्यु का प्रत्यक्ष कारण माना। भारत की पर्यावरण स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. कल्पना बालाकृष्णन कहती हैं, प्रमाण की अनुपस्थिति, अनुपस्थिति का प्रमाण नहीं होती। विशेषज्ञों के अनुसार, अत्यधिक प्रदूषण वाले दिनों में बचों को घर के अंदर रखें। सुबह-शाम बाहर खेलने से बचाएं। इस समय प्रदूषण अधिक होता है। बचों को बाहरी गतिविधियों में मास्क एन-95 या समतुल्य पहनाएं। घर में एयर प्यूरीफायर का उपयोग संभव हो तो करें। पोषण पर ध्यान दें।विटामिन सी, ओमेगा थ्री और एंटीऑक्सीडेंट फेफड़ों की रक्षा में मदद करते हैं। स्कूलों में क्लीन एयर प्रोटोकॉल लागू हों। दिल्ली और केंद्रीय अस्पताल हर सर्दी में विशेष निगरानी, प्रदूषण-ओपीडी और आपात तैयारियां कर रहे हैं। लेकिन डॉक्टर मानते हैं कि यह अब मौसमी संकट नहीं, साल भर का स्वास्थ्य आपातकाल बन चुका है। भारत का वायु संकट अब अदृश्य नहीं रहा। यह हर बचे के फेफड़ों में देखा जा सकता है। आज अगर हवा साफ करने पर युद्ध स्तर पर कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ी का बचपन धुंध में खो जाएगा।

दिल्ली में 1 लाख से ज्यादा की धोखाधड़ी पर भी थाने में होगी ई-एफआईआर, अब अपराध पर लगेगा लगाम

नई दिल्ली। पिछले साल दिल्लीवासियों को 1,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा के साइबर अपराधों की मार झेलनी पड़ी, जिसके बीच दिल्ली पुलिस ने साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में ई-एफआईआर दर्ज करने की सीमा 10 लाख रुपये से घटाकर 1 लाख रुपये कर दी है। इस कदम का उद्देश्य त्वरित निवारण और मज़बूत डिजिटल पुलिसिंग सुनिश्चित करना है। एक अधिकारी ने गुरुवार को घोषणा की कि 1 नवंबर से, 1 लाख रुपये या उससे अधिक की ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार अब ई-एफआईआर दर्ज करा सकेंगे। यह नई सुविधा, जो पहले केवल 10 लाख रुपये या उससे अधिक की धोखाधड़ी के मामलों पर ही लागू होती थी, अब कम राशि की धोखाधड़ी के शिकार लोगों के लिए राष्ट्रीय राजधानी के किसी भी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराना आसान बना देगी। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता किसी भी पुलिस स्टेशन में जा सकते हैं, जहाँ एकीकृत सहायता डेस्क के कर्मचारी उनकी शिकायत दर्ज करेंगे और यदि धोखाधड़ी की गई राशि 1 लाख रुपये से अधिक है, तो ई-एफआईआर दर्ज करेंगे। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध शाखा) देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया,पहले हमें 10 लाख रुपये या उससे अधिक की धोखाधड़ी की 70 से 80 शिकायतें हर महीने मिलती थीं। सीमा को घटाकर एक लाख रुपये करने के नए फैसले के साथ, हमें उम्मीद है कि ई-एफआईआर दर्ज कराने के लिए यह संख्या बढ़कर हर महीने 700-800 हो जाएगी। श्रीवास्तव ने बताया कि नई पहल के तहत, जिन शिकायतकर्ताओं ने एक लाख रुपये या उससे अधिक की राशि खो दी है, वे 1930 पर साइबर हेल्पलाइन पर भी कॉल कर सकते हैं। कॉल लेने वाला व्यक्ति पोर्टल पर शिकायत दर्ज करेगा, जो स्वतः ही ई-एफआईआर में बदल जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस को 1930 हेल्पलाइन पर प्रतिदिन साइबर धोखाधड़ी से संबंधित 3,000 से अधिक कॉल आती हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी बड़ी विशेषता यह है कि पीड़ित अब पुलिस स्टेशन जाकर नए स्थापित एकीकृत हेल्प डेस्क कर्मचारियों की सहायता से ई-एफआईआर दर्ज करा सकते हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि ई-एफआईआर को आगे की जाँच के लिए संबंधित साइबर पुलिस स्टेशन भेज दिया जाएगा। विशेष पुलिस आयुक्त ने कहा कि हेल्पलाइन नंबर के अलावा, राष्ट्रीय राजधानी में हमारे कुल 225 पुलिस स्टेशन हैं जहाँ पीड़ित आकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इससे हमें साइबर संबंधी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने के लिए अतिरिक्त कार्यबल मिलता है।

कुंवर मोहिंदर सिंह बेदी सहर की याद में मुशायरा

नई दिल्ली (साहिल गौर्ड) गत शाम फ़नकार कल्चरल ग्रुप, रजिस्टर्ड के ज़ेर-ए-अहतमाम ग़ालिब अकादमी हज़रत निज़ामुद्दीन नई दिल्ली में ह्वङ्कुंवर मोहिंदर सिंह बेदी सेहर की याद में एक शानदार ऑल इंडिया मुशायरे का इनक़ाद किया गया। सदारत मारूफ़ शायर जी आर

कमाल ने की जबकि इस मौक़े पर नारंग साकी अवतार सिंह ÷ सुरेंदर सिंह शजर %%डॉ गुरविंदर बांगा मतीन अमरोहवी खुमार देहलवी मेहमान-ए-खुसूसी की हैसियत से तशरीफ़ लाए। निज़ामत के फराइज़ असलम बेताब

और फोजिया अफ़ज़ल ने अंजाम दिए।

जी आर कमल ने अपने सदराती कलिमात अदा करते हुए कहा कि आज न सिर्फ़ एहतेराम सिद्दीकी मुबारकबाद के मुस्तहिक़ हैं बल्कि कल्चरल ग्रुप को भी मुबारकबाद पेश की जानी चाहिए कि उसने इस अहम फ़रीज़े को अंजाम दिया है। किसी की ख़िदमात का एतराफ़ करना ही बहुत बड़ी ख़िदमत है। मुशायरे के आग़ाज़ में फ़ौज़िया अफ़ज़ल ने फ़नकार कल्चरल ग्रुप के

बारे में बताते हुए कुंवर मोहिंदर सिंह बेदी सहर साहब कीउर्दू शायरी से मोहब्बत और ख़िदमात का भी खुसूसी तज़किरा किया।

इस मौके पर मशहूर शायर मरहूम शफी वारसी साहब की किताब (सब्ज़ उजाले) का शानदार इजरा भी किया गया

जिन शुऐरा-ए-कराम ने मुशायरे में अपने कलाम से सामेईन को महज़ूज़ किया उनके ईसमा-ए-गरामी इस तरह से हैं- मतीन अमरोहवी, खुमार देहलवी, सरफ़राज़ अहमद देहलवी हश्मत भारद्वाज,दिलदार देहलवी गोल्डी गीतकार सुरेंदर सिफर असलम बेताब, खुर्रम नूर, जावेद अब्बासी, शकील वारसी %गुरविंदर बांगा ÷फरीदअहमद फ़रीद, सैय्यद अली अब्बास एहतेराम सिद्दीकी,पंडित प्रेम बरेलवी रचना निर्मल गुल बहार गुल, हुमा देहलवी, फोजिया अफ़ज़ाल, रोज़ी ख़ान व दीगर शुऐरा।

आख़िर में असलम बेताब और मुशायरा कनवीनर एहतराम सिद्दीकी साहब ने तमाम मेहमानों और शुऐरा का शुक्रिया अदा करते हुए मुशायरे के इख़्तिताम का एलान किया। सफ़-ए-सामेईन में आरिफ़ देहलवी, सरताज अमरोहवी संत राम फ़क़ीर के नाम ख़ास तौर से क़ाबिल-ए-ज़िक्र हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय की स्वर्ण जयंती वर्ष (2025) पर डॉ. ममता चतुर्वेदी का सम्मान —एक अविस्मरणीय क्षण

आगरा (आकाश शक्य विभाग) राजस्थान विश्वविद्यालय की स्वर्ण जयंती वर्ष (2025) के सुअवसर पर, चित्रकला विभाग एवं केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभाग की स्थापना से लेकर अब तक के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने कला क्षेत्र में शैक्षिक, शोधपरक एवं रचनात्मक योगदान दिए हैं। इन्हीं में से दूसरी पीढ़ी के कलाकारों में डॉ. ममता चतुर्वेदी का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। जिस विश्वविद्यालय से डॉ. ममता चतुर्वेदी जी ने 44 वर्ष पूर्व अपनी कला शिक्षा पूर्ण की, उसी स्थान पर अपने कलागुरुओं के समक्ष अपने ही शिष्यों द्वारा सम्मानित होना—यह क्षण वास्तव में रोमांचक, भावनात्मक और अविस्मरणीय रहा। इस अवसर पर अपने भाव व्यक्त करते हुए ममता चतुर्वेदी जी ने कहा— ÷इस सुंदर परिकल्पना को साकार करने और इस सुअवसर पर गुरुजनों को इतने वर्षों बाद पुनः अभिनंदित करने का अवसर प्रदान करने हेतु मैं चित्रकला विभाग की विभागाध्यक्ष डा. अमिता राज गोयल के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। उनके इस विशिष्ट एवं सफल प्रयास की प्रशंसा करना वास्तव में सूरज को दीपक दिखाने के समान है।÷ उन्होंने आगे कहा— ÷इस गरिमामयी आयोजन में डा. कृष्णा महावर एवं डा. जे. पी. मीणा के अविस्मरणीय सहयोग के लिए भी मैं विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहती हूँ। साथ ही उन सभी आदरणीय प्रियजनों की भी आभारी हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुझे इस प्रतिष्ठित सम्मान के योग्य समझा।÷अंत में अपने गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए ममता चतुर्वेदी जी ने भावुक होकर कहा

सीएम रेखा गुप्ता ने सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि, रन फॉर यूनिटी में शामिल होकर एकता का संदेश दिया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने देश की एकता के लिए निरंतर काम किया. गुप्ता अपने मंत्रियों मनजिंदर सिंह सिरसा और प्रवेश सिंह वर्मा के साथ सुबह आयोजित रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में शामिल हुईं. उन्होंने संवाददाताओं से कहा, सरदार पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है, क्योंकि उन्होंने देश की एकता के लिए निरंतर काम किया. आज सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर देश भर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाई और दिल्ली सरकार भी इस अवसर पर दो दिवसीय एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन कर रही है. मोदी सरकार 2014 से 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाती आ रही है. भारत के पहले गृह मंत्री और उप-प्रधानमंत्री के रूप में, पटेल को 550 से यादा रियासतों का भारत संघ में विलय कराने का श्रेय दिया जाता है. सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के तहत भारत के एकीकरण में उनके योगदान को याद करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. गुजरात के केवड़िया में उनकी प्रतिमा के सामने एक भव्य परेड का आयोजन किया गया, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सलामी ली. मीडिया से बातचीत करते हुए, मुख्यमंत्री ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप सेमीफाइनल में जीत के लिए बधाई भी दी. उन्होंने कहा, यह एक शानदार जीत थी. मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देती हूं. भारत ने बृहस्पतिवार को नवी मुंबई में रिकॉर्ड जीत के साथ सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर तीसरी बार महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया.

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में 22 वर्षीय अपराधी की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में सात आपराधिक मामलों में शामिल 22 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 30 अक्टूबर की रात करीब 10.40 बजे हुई जब गोलीबारी की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर पुलिस को इलाके में जामा मस्जिद के पास एक व्यक्ति गोली लगने से घायल पड़ा मिला। उसे तत्काल जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान जाफराबाद के निवासी मिस्बाह के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, अपराध स्थल से साक्ष्य एकत्र करने के लिए फोरेंसिक टीमों को मौके पर बुलाया गया है। संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और इसमें शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए टीमें गठित की गई हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मृतक का आपराधिक इतिहास था और वह पहले भी हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती और शस्त्र अधिनियम के तहत अपराध सहित सात आपराधिक मामलों में शामिल था। गोलीबारी के मकसद का पता लगाने और इसमें शामिल संदिग्धों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले में जांच जारी है।

SANT RAVIDAS COMMUNICATION
PRINTERS & ADVERTISERS
प्रचार-प्रसार नही तो व्यापार नही
हिन्दी, इंग्लिश समाचार-पत्रो में
कोर्ट/पब्लिक नोटिस, गुमशुदा, शुभकामनाऐं, श्रद्धांजली, अपील, खोया-पाया, बेदखली नामा, नाम परिवर्तन, सार्वजनिक सूचना, जन्मदिन, शुभविवाह व अन्य क्लासीफाइड विज्ञापन प्रकाशित/छपवाने के लिए संपर्क करे:-
FLAX & ALL PRINTING WORKS
फ्लैक्स बोर्ड, न्यूजपेपर, मैगजिन, पोस्टर, बेनर, हैड बिल व शादी कार्ड व अन्य सभी प्रकार कि प्रिंटिग करवाने के लिए संपर्क करे।
विज्ञापन, साईन बोर्ड, पोल बोर्ड, ऑटो रिक्शा फ्लैक्स, राजनैतिक प्रचार-प्रसार, टीवी चैनलो, यू-ट्यूब व अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन के लिए संपर्क करे।
Add: B-2-444, Near by BUDDH TEMPLE, Sultanpuri, Delhi-86
Mo. 9717900181, E-Mail: santravidascommunication@gmail.com

माननीय प्रधानमंत्री-भारत सरकार, श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री, श्रीमती रेखा गुप्ता जी

पूर्व केजरीवाल सरकार का कमाऊ पूत

सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के

अधिशासी अभियंताओं द्वारा 11 वर्षों से विकास एवं निर्माण कार्य में बेहद घटिया निर्माण सामग्री व फर्जी बिल लगाकर।

करोड़ो के घोटाले व भष्टाचार की जांच

श्रीमान निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से कराई जाएं।

छठ घाटो में टेन्ट, पानी टैंकर, बड़े नालो की साफ-सफाई, बॉउन्ड्रीवाल के

फर्जी बिल लगाकरकिए गए करोड़ो के घोटाले और हरे-भरे पेड़ो को काटकर खुलेआम बेचा जा रहा है।

I&FC के श्री अशोक कुमार-(FC-III), ए.सुरेन कुमार (पीएनडी), विवेक चौहान (CD-II), शोभित जैन (CD-III), सोमनाथ कश्यप (CD-IV), बी.बी.नागपाल (CD-V), बी.डी.शर्मा (CD-VII), पुनित डुडेजा (CD-IX), प्रशांत मिश्रा (CD-X), योगेश कुमार खेड़ा (CD-XI), गगन गौड़ (CD-XII), सुधीर कुमार आर्य (CD-XIII), एई, जे.ई ने ठेकेदारों की मिलीभगत से दिल्ली के विधानसभा क्षेत्रों के विकास एवं निर्माण कार्य में घटिया निर्माण सामग्री और फर्जी बिल बनाकर कर रहे है अपना समाजवाद दूर!

भ्रष्टाचारियों व कमिशन खोरो का अड्डा बना अधिशासी अभियंता, सतर्कता कार्यालय: बसई दारापुर?

निवेदक: अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा (विज्ञापन)

रक्तदान व निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर

नई दिल्ली (हरपाल सिंह)राजपूत चौपाल धर्मशाला, ब्रह्मपुरी रोड, गाँव

घोंडा में आयोजन किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में महात्मा हजारीलाल मेमोरियल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज शर्मा जी ने बताया कि इस रक्तदान शिविर व निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच में मोरल हॉस्पिटल के अनुभवी डॉक्टरों के द्वारा निःशुल्क में नाक, कान, गला, बीपी, शुगर, लीवर, किडनी और दांतों की जाँच व अन्य जाँच की गई। साथ ही इस रक्तदान शिविर में पचास यूनिट खून एकत्रित हुआ।*

रक्तदान शिविर व स्वास्थ्य जाँच शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में घोंडा विधानसभा के विधायक श्री अजय महावार जी ने कहा कि इस रक्तदान शिविर व स्वास्थ्य जाँच शिविर के लिए अनुज शर्मा जी और उनकी महात्मा हजारीलाल मेमोरियल ट्रस्ट को बधाई देता हूँ और इस तरह के रक्तदान शिविर के आयोजन होते रहने चाहिए कि जिससे और भी लोगों की जान बचाई जा सके। और विशिष्ठ अतिथि के रूप घोंडा वार्ड की निगम पार्षद श्रीमति प्रीति गुप्ता जी ने कहा कि इस तरह के स्वास्थ्य जाँच शिविर व रक्तदान शिविर का आयोजन करने के लिए में अनुज शर्मा जी और उनकी महात्मा हजारीलाल मेमोरियल ट्रस्ट को बधाई देती हूँ।

निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर व रक्तदान शिविर में महात्मा हजारीलाल मेमोरियल ट्रस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिव प्रकाश दीक्षित, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सीए उमेश त्यागी और सह कोषाध्यक्ष हेमचन्द जैन भी शामिल हुए और सहयोग कर्ता के रूप में भारत सेवा चेरिटेबल ब्लड सेंटर का सहयोग रहा और राजपूत चौपाल धर्मशाला व राजपूत मोहल्ला का सहयोग रहा।

एक शाम देश के नाम

हरियाणा (आकाश शक्य) श्री राम मॉडल स्कूल सेक्टर 21, में चेयरमैन पार्षद रेनू चौधरी, डॉ मुस्कान भड़ाना स्वक्क, डॉ स्नेहा भड़ाना स्वक्क, कियान चौधरी, कनिष्का भड़ाना डॉ अमृता ज्योति एमडी श्रीराम मॉडल स्कूल के कर कमलों द्वारा हुआ संपन्न।

कर्नल अनिल सचदेवा इंटेलीजेंस ब्यूरो, मेजर वी के दत्ता, एयर इंडिया के कैप्टन राजेश कुमार जी, आईएएस प्रदीप गोदारा, कैप्टन कुनाल नागर इंडियन एयर लाइंस, एसीपी संदीप मोर, एसीपी राजेश कुमार चेची फरीदाबाद, इंस्पेक्टर पी के भाटी सीआईएसएफ ग्वालियर, पुशअप मैन ऑफ इंडिया रोहताश चौधरी, इंस्पेक्टर ऊषा कोतवाल फरीदाबाद, इंस्पेक्टर माया महिला थाना प्रभारी फरीदाबाद, इंस्पेक्टर संजय गोस्वामी दि.पु. इंस्पेक्टर संजय राणा शामली, सब इंस्पेक्टर पंकज नैन सहारनपुर, सब इंस्पेक्टर अनिल चौहान दि.पु, सब इंस्पेक्टर सुमन लता ढुक्क, एएसआई पिंकी, कविता हैड कांस्टेबल, डॉ लोकेश खंडेलवाल फरीदाबाद लैब डायरेक्टर, डिप्टी सीएमओ जेपी राजलीवाल जी, कपिल खटाना इंस्पेक्टर फूड एंड सप्लाई, नंदन सिंह चंदेल साइबर क्राइम दि.पु, प्रदीप खटाना ह.पु, अमित कपासिया दि.पु, जय भड़ाना दि.पु, प्रीति जय भड़ाना दि.पु, एन एस जी कमांडो दीपक नागर दि.पु.,अनुज योगी पांचली, भारत योगी, महिपाल कमेडिया,हरियाणा भजन कलाकार सुनील हरसाना

फरीदाबाद के मशहूर बिजनेसमैन बलबीर भड़ाना जी, ग्रीन मैटल कम्पनी एम डी दुष्यंत पोसवाल, जगत सिंह भड़ाना, ई रिक्शा वंदे भारत के निर्माता श्री अशोक आनंद जी एवं इंद्रप्रीत सिंह साहनी, आईपीएस

अभिमन्यु पोसवाल के पिता श्री कनक पोसवाल, आईपीएस आदित्य सिंह के पिता श्री आजाद सिंह भाटी, असिस्टेंट प्रोफेसर अदिति नागर के पिता श्री ओमप्रकाश नागर, मंत्री राजेश नागर जी के बड़े भाई अमन नागर, सतवीर सिराधना आदि को सीईओ अनुराग चौधरी, बलबीर भड़ाना ग्राम पाली, गजे सिंह निरोजपुर बागपत, आईएएस अफसर प्रदीप गोदारा जी द्वारा पगड़ी बांध कर व लॉयल्टी टू द नेशन अवॉर्ड एवं टीएफपीडी अवॉर्ड से किया सम्मानित किया कार्यक्रम में देशभक्ति गीत व अन्य सांस्कृतिक बच्चो की परफोर्मेंस व एक्टिविटी से ये शाम बनी जानदार7

इसी क्रम में *बॉलीवुड डायरेक्टर सुधीर गौतम सन्यासी* को भी उनके उत्कृष्ट फिल्मी योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वहीं इंडियन फिल्म स्टाइल के निर्माता समीर मलिक को भी सम्मानित किया गया।

देश के अनेकों राज्यों से उत्कृष्ट कार्यशैली वाले अधिकारियों को सम्मानित कर उनके साहस, शौर्य और मनोबल को बढ़ावा देना है जिससे कि अन्य अधिकारी भी अपने देश के प्रति दायित्वों की देश हित में और अग्रिम भूमिका निभाए।

कार्यक्रम में सीईओ अनुराग चौधरी के साथ मुख्य भूमिका में रहे निभा रहे है हरियाणा पुलिस के एक ऐसे जाबांज पुलिस अधीकारी जिन्हें देखकर क्रिमिनल अपना रास्ता बदल देते है एसीपी सुरेश भड़ाना जी व मुख्य योगदान दिया इंस्पेक्शन चीफ जसवीर पंवार जी ने

आप सभी के आगमन का वॉइस ऑफ कॉप्स की समस्त टीम आपका हार्दिक आभार व्यक्त करती है।

जय हिन्द जय भारत

पंजाब-हरियाणा बार काउंसिल चुनावों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- 31 दिसंबर तक पूरी हो प्रक्रिया

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के चुनाव 31 जनवरी 2026 तक कराए जाएं और मतदाताओं की वास्तविक शिकायतों का समाधान किया जाए। शीर्ष अदालत की तरफ से यह निर्देश ऐसे समय में आए हैं, जब कोर्ट को जानकारी दी गई कि पंजाब और हरियाणा बार काउंसिलों के चुनावों की अभी तक अधिसूचना जारी नहीं हुई है और उत्तर प्रदेश में बार काउंसिल चुनाव के लिए मतदाता सूची वेबसाइट पर अपलोड नहीं की गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा, जो बीसीआई के अध्यक्ष भी हैं, ने अदालत को बताया कि नियमों के अनुसार अधिसूचना जारी होने और चुनाव कराने के बीच 180 दिन का अंतर आवश्यक होता है, जिससे पंजाब और हरियाणा में कुछ कठिनाई हो सकती है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अलग-अलग रायों के बार काउंसिल चुनावों के लिए एक समिति गठित की जाए, जिसकी अध्यक्षता किसी सेवानिवृत्त उच न्यायालय के न्यायाधीश करें। अदालत ने निर्देश दिया कि पंजाब और हरियाणा बार काउंसिल के चुनावों के लिए बीसीआई एक अलग समिति गठित करे, जिसकी अध्यक्षता भी किसी सेवानिवृत्त हाईकोर्ट जज को सौंपी जाए। पीठ ने कहा कि चुनाव 31 दिसंबर 2025 तक कराने का प्रयास किया जाए और यदि कोई कठिनाई आती है तो उस पर विचार किया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ÷बार काउंसिल चुनाव लंबे समय से नहीं हुए हैं, लेकिन अब बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने इन्हें कराने पर सहमति दी है। हमें लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भरोसा रखना चाहिए और निष्पक्ष चुनाव के माध्यम से उन्हें मजबूत बनाना चाहिए।

कांग्रेस ने इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि व सरदार पटेल की मनाई जयंती

फतेहपुर।

आज कांग्रेस कार्यालय ज्वालागंज में कांग्रेस पार्टी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के साथ साथ सरदार वल्लभभाई पटेल एवं आचार्य नरेंद्र देव की जयंती का भी आयोजन किया। आयोजन में सभी कांग्रेसियों ने स्व. इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी शहादत को याद करते हुए सरदार पटेल व आचार्य नरेंद्र देव के जीवन चरित्र पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष महेश द्विवेदी ने कहा कि इंदिरा जी का साहस और बलिदान दोनों हमे देश प्रेम की शिक्षा देते हैं उनका आदर्श असल जीवन मूल्यों का दर्शन है जो हमें एक सम्मानित जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है। इसी के साथ सरदार पटेल जी व आचार्य नरेंद्र देव के राष्ट्रप्रेम एवं उनके द्वारा राष्ट्र निर्माण की भूरी भूरी प्रशंसा की। शहर अध्यक्ष आरिफ गुड्डा ने भी स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी को एक कुशल रणनीतिकार एवं कुशाग्र चिंतक करार देते हुए कहा कि हम उनके बनाए मार्ग पर चलते रहें उनके प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार सरदार पटेल जी ने निस्वार्थ एक मजबूत भारत की नींव रखी उससे भी हमे प्रेरणा की आवश्यकता है साथ ही आचार्य नरेंद्र देव जी की भी देश के लिए त्याग और तपस्या का कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। कार्यक्रम में तमाम वरिष्ठ जनों के साथ राम नरेश महराज, माधुरी रावत, शोभा दुबे, शकीला बानो, मिस्बाहुल हक,अजय बच्चा, कौशल कुमार शुक्ला, नजमी कमर, ऋषभ पांडेय, अब्दुल रज्जाक, वकील खान, मो. अकरम काले, नसीम अंसारी, रमजान शाह, मोहित मिश्रा, असलम, आरिफ खान, पप्पू पाल, चंद्र प्रकाश लोधी बसीर अहमद, डॉ. अब्दुल हमीद, नसीम अंसारी , निजामुद्दीन आदि लोग उपस्थित रहे।

श्रीमदभागवत कथा के श्रवण से सुखमय होता जीवन-आचार्य धरणीधर

व्यक्ति उचित भोजन, व्यायाम करे वह व्यक्ति स्वस्थ, हष्ट-पुष्ट होता है। उसी प्रकार भगवान की चर्चा करो भगवान का कीर्तन करो, भगवान का दर्शन करो, संतो का दर्शन करो, जितनी परिक्रमा करो, जितना तीर्थ दर्शन करो यह सब मोक्ष के मार्ग हैं।

अयोध्या।

बेरासपुर कुडी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर अयोध्या से आए कथा प्रवक्ता आचार्य धरणीधर जी महाराज ने कहा हम भाग्यशाली है कि हमने सनातन धर्म में जन्म लिया है। असली पोषण भगवान की भक्ति से होता है। व्यक्ति उचित भोजन, व्यायाम करे वह व्यक्ति स्वस्थ, हष्ठ-पुष्ट होता है। उसी प्रकार भगवान की चर्चा करो भगवान का कीर्तन करो, भगवान का दर्शन करो, संतो का दर्शन करो, जितनी परिक्रमा करो, जितना तीर्थ दर्शन करो यह सब मोक्ष के मार्ग हैं। आचार्य धरणीधर जी महाराज ने कहा कि परमात्मा ही परम सत्य है। जब हमारी वृत्ति परमात्मा में लगेगी तो संसार गायब हो जाएगा। प्रश्न यह है कि परमात्मा संसार में घुले-मिले हैं तो संसार का नाश होने पर भी परमात्मा का नाश क्यों नहीं होता। इसका उत्तर यही है कि भगवान संसार से जुड़े भी हैं और अलग भी हैं। आकाश में बादल रहता है। और बादल के अंदर भी आकाश तत्व है। बादल के गायब होने पर भी आकाश गायब नहीं होता। इसी तरह संसार गायब होने पर भी परमात्मा गायब नहीं होते। संसार की कोई भी वस्तु भगवान से अलग नहीं है उन्होंने कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल सकती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्याग कर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करना चाहिए जब जब पृथ्वी पर अत्यचार बढ़ता है भगवान अवतार लेकर आते हैं सभी भक्तों ने श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया इस अवसर पर छठ्ठू पाण्डेय, आचार्य सच्चिदानंद मिश्र,वृजकिशोर पाण्डेय, राजेश पाण्डेय, रंजीत पाण्डेय, नन्द किशोर पाण्डेय, राम जी पाण्डेय, रजनीश पाण्डेय, राजन पाण्डेय, कामता प्रसाद पाण्डेय, ओमप्रकाश पाण्डेय,विजय शंकर पाण्डेय समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

आचार्य नरेन्द्र और सरदार पटेल को सपाईयों ने किया नमन

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के महानगर कैंप कार्यालय पर आचार्य नरेंद्र देव जी और सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष इकबाल अंसारी ने की और संचालन दाऊद अंसारी ने किया। वक्ताओं के तौर पर सलीम वारसी, फहीम मंसूरी, अहमद मुरादाबादी, हाजी राशिद हुसैन अंसारी, जियाउल करीम अंसारी, मोनिस अली, मोहम्मद अजीम अध्यक्ष वार्ड 52, शादाब अली, मोहम्मद मुशर्रफ, मोहम्मद आरिफ, हसीन बेग, शब्बू, रियासत हुसैन, मसरूर हसन, मोहम्मद सुबहान, मोहम्मद आमान, लईक अहमद , अरबाज, शमशाद अंसारी, सरफराज, अशफाक अंसारी, शमशाद हुसैन, लालू परवेज आदि मौजूद रहे। वक्ताओं ने दोनों शख्सियतों की जिंदगी पर रोशनी डाली। महानगर अध्यक्ष इकबाल हुसैन अंसारी ने कहा कि इन महापुरुषों की कुर्बानियां रहीं कि हम आज आजाद हिंदुस्तान में सांस ले रहे हैं। हर हिंदुस्तानी को चाहिए उनकी जिंदगी से प्रेरणा लेकर हिंदुस्तान को नई बुलंदियों तक पहुंचाने का इरादा करें।

मेरा युवा-भारत खेत तत्वावधान में निकली राष्ट्रीय पदयात्रा

मुरादाबाद।

मेरा युवा भारत युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वधान में भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के लौहपुरुष आधुनिक भारत के निर्माताओं में एक है। उन्होंने पांच सौ से अधिक रजबाड़ों को जोड़कर विशाल भारत की नींव रखी उनके योगदान को वर्तमान पीढ़ी से परिचित कराने के उद्देश्य से यह पदयात्रा आयोजित की गई पदयात्रा का शुभारंभ अंबेडकर पार्क सिविल लाइन से किया गया एवं पदयात्रा अपने पहले पड़ाव में पीली कोठी के चौराह पर पहुँची जहाँ सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि की गई सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती की पदयात्रा के इस पहले पड़ाव पर जनप्रतिनिधि माननीय विधायक रामवीर सिंह, रीतेश गुप्ता ,जपाल सिंह व्यस्त ,सतपाल सिंह सैनी ने पदयात्रा की अगवानी की एवं इसके बाद पदयात्रा जिलाधिकारी निवास पर अपने दूसरे पड़ाव पर पहुंची जहां जिलाधिकारी अनुज सिंह एवं मंडलायुक्त अंजनेन सिंह ने पदयात्रा की अगवानी की जबकि मधुबनी चौराहे पर जनपद के पुलिस कप्तान ने पदयात्रा के तीसरे पड़ाव पर अगवानी की एवं पदयात्रा सोनपुर

महापौर ने झंडी दिखाकर किया रवाना

स्टेडियम में आकर संपन्न हुई और पदयात्रा के अंतिम पड़ाव पर मुख्य विकास अधिकारी मृणाल जोशी ने अगुवानी की पदयात्रा का सम्पूर्ण आयोजन उप निदेशक अंकित कुमार गौर के नेतृत्व में मेरा युवा भारत में केंद्र सरकार नवगठित विभाग की मुरादाबाद इकाई ने किया है इस पदयात्रा के बारे में अंकित कुमार गौर ने बताया कि पदयात्रा में कुल ×000 युवाओं ने प्रतिभाग किया। इस पद यात्रा को शिक्षा विभाग क्रीड़ा विभाग युवा कल्याण नगर निगम यातायात विभाग के समन्वय से आयोजित करवाया गया इस सफल पदयात्रा में जिला क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार भगवानदास के साथ-साथ जनपद मुरादाबाद के प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिक डॉ॰ दीपक में धीरता के संस्थान का विशेष सहयोग रहा। इस पदयात्रा में युवाओं की के लिए पुलिस सुरक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम भी यात्रा में शामिल हुई ।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर कलेक्ट्रेट में हुआ कार्यक्रम

मुरादाबाद। स्वतंत्र भारत के वास्तुकार लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस) के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी अनुज सिंह सहित कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी, जिलाधिकारी ने सभी अधिकारी और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस पर आधारित शपथ भी

कलेक्ट्रेट सभागार में मनाई गई लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती

कुशीनगर।

स्वतंत्र भारत के वास्तुकार लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर व अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा, प्रेम कुमार राय द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में स्वतंत्र भारत के वास्तुकार लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा (चित्र) पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई । उन्होंने

कहा हम सभी को एकता ,अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए समर्पित रहना होगा तथा अपने देश /जनपद वासियों के बीच एकता का संदेश फैलाने का प्रयास करना होगा।

सरदार पटेल का सम्पूर्ण जीवन देश की एकता और अखंडता को समर्पित था-आर पी एन सिंह

पडरौना,कुशीनगर ।

देश के प्रथम गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 जयंती भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे जनपद में बूथ स्तर पर धूमधाम से मनाई गई। भाजपा की ओर से सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। दौड़ पडरौना में बावली चौक पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा से शुरू होकर सुभाष चौक पर सम्पन्न हुई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद आरपीएन सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय,सदर विधायक मनीष जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल,गौ सेवा आयोग के उपलक्ष्य अतुल सिंह,बीज विकास निगम के उपाध्यक्ष राजेश्वर सिंह की उपस्थिति में मौजूद लोगों को राष्ट्रीय एकता और नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। राज्य सभा सांसद आरपीएन सिंह ने लौह पुरुष, भारत रत्न, सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि उनके अदम्य साहस, दूरदर्शिता और राष्ट्र

समर्पण की भावना के कारण ही आज भारत एक शक्तिशाली और एकीकृत राष्ट्र के रूप में खड़ा है। उन्होंने कहा सरदार पटेल का सम्पूर्ण जीवन देश की एकता और अखंडता को समर्पित था। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि सरदार पटेल ने आजादी के बाद 560 से अधिक रियासतों को एकसूत्र में पिरोकर अखंड भारत का निर्माण किया था।

श्री श्रवण कुमार, अधीक्षण अभियंता, पी.एम शिक्षा-2 के संरक्षण में

लो.नि.वि, शिक्षा दक्षिण-पश्चिमी अनु. डिवीजन कार्यालय बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

कार्यपालक, सहायक, कनिष्ठ अभियंता बने ''अडानी''

वर्तमान ई.ई श्री राजेश कुमार, पूर्व ई.ई श्री विनोद कुमार पाराशर, उपखण्ड-1,2,3,4 ए.ई श्री एम.के वर्मा, विजय प्रकाश मीणा, जे.ई श्री अफ़जल आलम, श्री अमित कुमार मीणा, श्री शुभम, श्री वैभव वर्मा, श्री विकास गौतम व ठेकेदार से मिलीभगत कर विधालय भवन निर्माण में बेहद घटिया निर्माण सामग्री व अतिरिक्त वस्तु (Extra Item) व निर्माण कार्य की लागात को बढ़ाकर (Deviations) कर दिल्ली सरकार के खजाने की खुली लूट की

श्री प्रवीण सूद, निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से जांच की मांग

New School Building at Naseerpur, New Delhi

School Building at durga park, dwarka

School Building at Sector-16, Dwarka

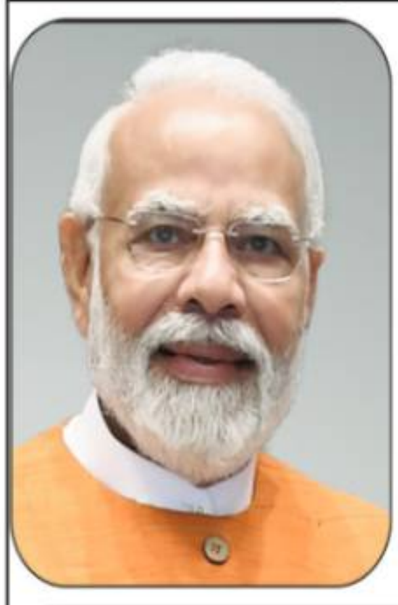

माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी, श्री अमित शाह, केन्द्रीय गृहमंत्री

से विन्रम निवेदन है कि लो.नि.वि के शिक्षा दक्षिण-पश्चिम अनुरक्षण डिवीजन के कार्यालय में तकरीबन चार वर्षो से किराए गए व कराए जा रहे है विधालयों के भवन निर्माण कार्यो की जांच सीबीआई से कराने के आदेश करे।

कार्यपालक, सहायक व कनिष्ठ अभियंता स्कूलों निर्माण कार्यो में घटिया निर्माण सामग्री, Extra Item, Deviations कर बने 'अडानी'

करोड़ो रूपये की बेनामी सम्पत्ति खरीदी अपने व अपने रिश्तेदारों के नाम, महंगी-महंगी लग्जरी कारों से चलते है, स्वयं व इनके परिवार एप्पल का मोबाईल व लेपटॉप और पी.पी.डिजाईनर के कपड़े, रोलेक्स की घड़ी, बूची के जूते, लग्जरी कारो स्वंय व परिवार के लिए प्राईवेट ड्राइवर 20-20 हजार प्रतिमाह, शाम का डिनर बड़े रेस्टुरेंट, होटल और क्लबों और लाखों की ज्वैलरी और अडानी की तरह आलीशान जिन्दगी जी रहे है।

निवेदकः अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

विज्ञापन-जनहित में जारी.....

Email: abnmdp@gmail.com